

११. तोता और इन्द्र

प्रस्तावना

* नरेन्द्र मालवीय. नरेन्द्र मालवीय हिन्दी साहित्य के बहुमुखी प्रतिभाशाली साहित्यकार है । हिन्दी साहित्य में निबंध, कहानी, एकांकी एवं कविता में अपना योगदान दिया है । सरल और सहज भाषा उनके साहित्य की एक विशेषता रही है । वे मार्मिक भाषा में गहन बात को सरलता से पेश करते हैं ।

यह एक सरल और सुबोध रचना है । इस कविता को एक कहानी के आधार पर लिखा गया है । वह कहानी 'बुक ऑफ नॉलिज' से ली गई है । इसे विश्व का एक श्रेष्ठ संवाद-काव्य माना जाता है ।

स्वाध्याय

१. निम्नलिखित प्रश्नों के एक – एक वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. इन्द्र कहा से गुजर रहे थे ?

उत्तर : इन्द्र काशी के समीप एक निर्जन वन से गुजर रहे थे ।

२. इन्द्र ने खोखले वृक्ष में क्या देखा ?

उत्तर : इन्द्र ने खोखले वृक्ष में एक सुंदर तोता देखा ।

३. पेड़ क्यों सुख गया था ?

उत्तर : एक शिकारी ने विषबुझा बाण चलाया इसलिए पेड़ सुख गया ।

४. पेड़ पर किसने आफत बढ़ा दी थी ?

उत्तर : शिकारी के विषबुझा बाण ने पेड़ पर आफत बढ़ा दी थी ।

२. निम्नलिखित प्रश्नों के दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. सुखे पेड़ पर तोते को देख इन्द्र को क्यों आश्चर्य हुआ ।

उत्तर : हरे भरे वन में एक पक्षी को हरे भरे छायादार वृक्ष में होना चाहिए । फिर भी तोता उन हरे भरे वृक्ष पर न रहकर एक सुखे पेड़ के खोखले में रहता था । यह देख इन्द्र का आश्चर्य हुआ ।

२. तोते ने उस वृक्ष पर रहने का कारण क्या बतलाया ? क्या आप उसे ठीक समझते हैं ?

उत्तर : तोते ने बताया कि जन्म से लेकर अबतक इस वृक्ष ने उसका हर सुख – दुख में साथ निभाया है । आज उसका संकट का समय चल रहा है तो तोता उसे छोड़कर कहीं नहीं जाना चाहता था । मेरे मतनुसार तोते ने सही कहा सच्चे मित्र

की पहचान बुरे वक्त में होती है। तोता अपनी मित्रता निभा रहा था।

३. तोते के उत्तर का इन्द्रदेव पर क्या प्रभाव पड़ा ? और उसका फल क्या हुआ ?

उत्तर : तोते ने इन्द्रदेव से कहा कि इस सुखे पेड़ से उसका बचपन का रिश्ता है। पेड़ के बुरे वक्त में वो उसे छोड़ के कहीं नहीं जायेगा। यह सुन इन्द्रदेव द्रवित हो उठे और पेड़ को नवजीवन दिया वह पहले की तरह हराभरा हो गया।

३. निम्नलिखित प्रश्नों के सविस्तार उत्तर लिखिए :

१. तोते ने उसे पेड़ से अपने अत्याधिक लगाव के क्या क्या कारण बतलाए हैं ?

उत्तर : तोते का उस पेड़ से बचपन से रिश्ता था। तोते का जन्म उस पेड़ पर हुआ था। तोते को उस पेड़ से बहुत प्यार था। उसकी डाली डाली उसे प्राणों से भी प्यारी थी। उसे बोलने फुदकने और उठने की शिक्षा इसी पेड़ पर मिली थी। बचपन से लेकर अबतक उसने तोते को शीतल छाया दी थी। तोते ने पेड़ को अपने सुख दुख का सच्चा साथी पाया था। उसे पेड़ पर सुख, शांति और संतोष की प्राप्ति होती है। तोते ने पेड़ से अपने अत्याधिक लगाव के यह कारण बताये।

२. तोते और इन्द्र का संवाद अपने शब्दों से लिखिए ?

उत्तर : इन्द्र : अरे ओ तोते। इस वन में एक से बैठकर एक हर पेड़ है पर तुम्हें देख मुझे आश्चर्य हो रहा तु इस सुखे पेड़ पर क्यों पड़े हो ? यह मूर्खता नहीं तो क्या है ?

तोता : महाराज। मेरा इस पेड़ से बचपन से वास्ता है। ये मेरे सुख दुख का साथी है। मेरा जन्म इसी पेड़ पर हुआ और मुझे इस पेड़ की डाली डाली से प्यार है। मैंने इस पेड़ पर जब वो हरा भरा था तब जन्म लिया था और इस पर बोलना, उड़ना सीखा है। आज जब वो सुख गया है उसका मुश्किल समय है तो मैं उसे छोड़कर कैसे जाऊँ ? इस पेड़ ने मेरे सुख दुख में मेरा साथ दिया है। किसी शिकारी के विषबुझा बाण चलाने से यह दिन प्रतिदिन सुखता जा रहा है। इसलिए मैंने निश्चय कर लिया है कि मेरा अंत भी अपने साथी के साथ होगा। मैं इसे छोड़कर नहीं जाऊंगा।

इन्द्र : ओह। यह बात है। तोते में तुम्हारी मैत्री से प्रसन्न हुआ मांगो जो वर मांगोगे मैं दूंगा।

तोता : हे देवपति। इस पेड़ को फिर से नवजीवन देकर हरा – भरा करदो।

इन्द्र : एवमस्तु।

४. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

१. विस्तृत : हम इस पर विस्तृत चर्चा करेंगे ।
२. गौरवशाली : हमारा इतिहास गौरवशाली है ।
३. मोदमयी : तोता और इन्द्र की कहानी मोदमयी है ।
४. एवमस्तु : अंत में इन्द्र ने कहा ' एवमस्तु ' ।

५. शब्दसमूह के लिए एक – एक शब्द लिखिए ।

१. जहाँ मनुष्य न हो – निर्जन
२. जिसमें बल न हो – निर्बल
३. देवा के अधिपति – देवपति
४. भू के पति – भूपति

